तुम अभी कनिष्ठ से बनते उत्तम
बाप तुम्हें पढ़ाकर बना रहे पुरुषोत्तम
देवता ही होते सबसे उत्तम
अभी हम आत्मा है,पुरानी दुनिया छोड़, नया शरीर लेना इसका करते अभ्यास
सतयुग में बिना मेहनत शरीर छोड़ते
फॉलो फादर कर 21 जन्मों की प्रालब्ध जमा करनी
अंतकाल में एक बाप के सिवाए कोई की याद न आये
अल्फ और बे की स्मृति रहे उसकी ही प्रैक्टिस रखनी
मनमनाभव के मन्त्र से सब दुःख भाग जाते
दुःख की लहरों में भी सुख का अनुभव हो ऐसा आता हो लहराना
सुखदाता के बच्चे सुख स्वरुप दुःख की लहर में नही आते
दृढ़ता की विशेषता प्रैक्टिस में लाओ
तो ही बाप की होगी प्रत्यक्षता

ॐ शांति
मेरा बाबा